PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, मंगलवार ,23 जून, 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

आरएमपीयू निर्माण में लापरवाही पर सीएम योगी का बड़ा एक्शन

ठेकेदार पर FIR के आदेश; 15 जुलाई तक काम पूरा करने का अल्टीमेटम

अलीगढ़। मुख्यमंत्री Yogi Adityanath ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और गुणवत्ता संबंधी खामियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय परिसर के निरीक्षण और समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि सरकारी परियोजनाओं में लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता इंद्रपाल सिंह के खिलाफ विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए तथा शेष निर्माण कार्य 15 जुलाई तक हर हाल में पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय पहुंचने के बाद सबसे पहले परिसर का निरीक्षण किया और निर्माणाधीन भवनों, सड़कों तथा अन्य परियोजनाओं की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद कुलपति प्रो. एनबी सिंह और कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह समेत अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर निर्माण की गुणवत्ता और कार्य की गति को लेकर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि गुणवत्ता के मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और सरकारी धन की बर्बादी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश की महत्वपूर्ण शैक्षणिक परियोजनाओं में शामिल है और इसके निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही छात्रों और क्षेत्र के विकास को प्रभावित करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाए और तय समयसीमा के भीतर सभी अधूरे कार्य पूरे किए जाएं।

गौरतलब है कि अधिशासी अभियंता इंद्रपाल सिंह का नाम पहले भी निर्माण कार्य में देरी को लेकर चर्चा में रह चुका है। जनवरी 2024 में तत्कालीन जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने विश्वविद्यालय निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान धीमी प्रगति और लिफ्ट का ऑर्डर जारी न होने पर अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को बैठक से बाहर कर दिया था। उस समय निर्माण एजेंसी पर करीब 1.75 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। मुख्यमंत्री के इस सख्त रुख के बाद प्रशासनिक और निर्माण एजेंसियों में खलबली मच गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर और भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है। वहीं विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य को लेकर अब अधिकारियों पर निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा करने का दबाव बढ़ गया है।

हापुड़ हाईवे पर दर्दनाक हादसा

बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को ट्राले ने रौंदा, बच्ची समेत दो की मौत

हापुड़। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के सोना कट के पास उस समय हुआ, जब रोडवेज बस खराब होने के कारण यात्री सड़क किनारे खड़े होकर दूसरी बस का इंतजार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्राला यात्रियों के समूह पर चढ़ गया, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार सभी यात्री सीतापुर डिपो की रोडवेज बस से दिल्ली और नोएडा की ओर जा रहे थे। रास्ते में सोना कट के पास बस खराब हो गई, जिसके बाद यात्री नीचे उतरकर दूसरी बस का इंतजार करने लगे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे ट्राले ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े यात्रियों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि कई लोग दूर जा गिरे और आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में नायरा (5) और मीरा (22) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक बुआ-भतीजी बताई जा रही हैं और सीतापुर जिले के बरगामा गांव की निवासी थीं। हादसे में कांति, जयकरण, अरुणा अवस्थी, कंचन, दीप्ति और आंशिक समेत छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें कांति और कंचन की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें मेरठ के अस्पताल में रेफर किया गया है। हादसे के बाद ट्राला चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही थाना हापुड़ देहात और हाफिजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने ट्राले को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी Anita Chauhan भी मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरार चालक की तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। फिलहाल मामले में कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों के खतरे को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कानपुर में गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा

तीन किशोर डूबे; दो को बचाया गया, एक अब भी लापता

कानपुर। गंगा स्नान के दौरान मंगलवार सुबह कानपुर के ग्वालटोली क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया। गंगा घाट पर नहाने गए किशोरों का समूह अचानक गहरे पानी में पहुंच गया, जिससे तीन किशोर डूबने लगे। मौके पर मौजूद स्थानीय नाविकों की तत्परता से दो किशोरों की जान बचा ली गई, लेकिन एक 14 वर्षीय किशोर अब भी लापता है। पुलिस, गोताखोरों और बचाव दल की टीमें लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब पांच बजे पांच किशोर गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचे थे। इनमें से चार किशोर नदी में नहाने के लिए उतरे। स्नान के दौरान अचानक तीन किशोर गहरे पानी की ओर चले गए और डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो स्थानीय नाविक तुरंत मदद के लिए नदी में कूद पड़े और बचाव अभियान शुरू किया। नाविकों के साहस और त्वरित कार्रवाई से दो किशोरों, अर्पित और सागर, को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हालांकि 14 वर्षीय शिवम गुप्ता तेज बहाव और गहरे पानी में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू कराया।लापता किशोर की तलाश के लिए नदी में लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। गोताखोर कई घंटों से गंगा में खोजबीन कर रहे हैं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शिवम का कोई सुराग नहीं लग पाया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब तक किशोर का पता नहीं चल जाता, तब तक खोज अभियान जारी रहेगा। हादसे की सूचना मिलते ही शिवम के परिजन और रिश्तेदार घाट पर पहुंच गए। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे से पहले सभी दोस्त घाट पर साथ में समय बिता रहे थे और उन्होंने एक सेल्फी भी ली थी, जिसके कुछ ही देर बाद यह दुखद घटना घट गई। यह हादसा एक बार फिर नदियों और जलाशयों में स्नान के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर करता है। स्थानीय लोगों ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

अलीगढ़ में 'ऑपरेशन सेफ्टी' शुरू

50 में सिर्फ 11 कोचिंग पंजीकृत, 15 के पास ही फायर एनओसी

अलीगढ़। लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अलीगढ़ प्रशासन और शिक्षा विभाग भी सतर्क हो गया है। जिले में बिना पंजीकरण और बिना फायर एनओसी के संचालित हो रहे कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी, अस्पतालों और अन्य संस्थानों के खिलाफ अब बड़े स्तर पर 'ऑपरेशन सेफ्टी' चलाया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें बंद भी कराया जा सकता है। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जिले में 50 से अधिक कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं, लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में केवल 11 कोचिंग सेंटर ही पंजीकृत हैं। वहीं अग्निशमन विभाग से सिर्फ 15 संस्थानों ने फायर एनओसी प्राप्त की है। इसका मतलब है कि अधिकांश कोचिंग सेंटर छात्रों की सुरक्षा से समझौता करते हुए नियमों को दरकिनार कर संचालन कर रहे हैं। स्थिति केवल कोचिंग सेंटरों तक सीमित नहीं है। जिले में 10 से अधिक लाइब्रेरी भी बिना किसी पंजीकरण के संचालित हो रही हैं। वहीं 400 से अधिक नर्सिंग होम, क्लीनिक और अस्पतालों में से केवल 297 संस्थानों के पास ही फायर एनओसी उपलब्ध है। शेष संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अलीगढ़ में इस वर्ष कई बड़े अग्निकांड सामने आ चुके हैं, जिनमें तालानगरी स्थित स्टील फैक्टरी में बॉयलर ब्लास्ट से तीन मजदूरों की मौत, सासनीगेट क्षेत्र के ओम एंटरप्राइजेज शोरूम में भीषण आग, देहलीगेट के कबाड़ गोदाम में अग्निकांड, फ्लिपकार्ट कंटेनर में लगी आग और मसूदाबाद पेट्रोल पंप पर बड़ा हादसा शामिल हैं। इन घटनाओं ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी के गंभीर परिणामों को उजागर किया है।

डीआईओएस डॉ. पूरन सिंह ने बताया कि अपंजीकृत कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यदि निर्धारित समय के भीतर पंजीकरण और फायर एनओसी नहीं ली गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए संचालन बंद कराया जाएगा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार ने भी कहा कि किसी भी कोचिंग सेंटर, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट या व्यावसायिक प्रतिष्ठान का संचालन सुरक्षा मानकों के बिना नहीं होना चाहिए।

अस्पतालों, स्कूलों, होटलों, औद्योगिक इकाइयों और बहुमंजिला इमारतों का नियमित फायर ऑडिट कराने तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की बात कही गई थी। लेकिन अलीगंज की यह घटना बताती है कि जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का कितना पालन हुआ। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, आग की शुरुआत इमारत की पहली मंजिल पर स्थित वेयरहाउस से हुई। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है।

15 जुलाई के बाद पीएम मोदी कर सकते हैं अलीगढ़ दौरा

आरएमपीयू समेत कई परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

सीएम योगी ने विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को जल्द सभी कार्य पूरे करने के निर्देश; जुलाई के अंतिम सप्ताह में कार्यक्रम तय होने के संकेत।

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री Yogi Adityanath ने सोमवार को राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का दौरा कर निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की और स्पष्ट निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय तथा उससे जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय बहुत कम बचा है और 15 जुलाई के बाद किसी भी समय प्रधानमंत्री Narendra Modi का अलीगढ़ दौरा तय हो सकता है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बताया कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान Raja Mahendra Pratap Singh State University (आरएमपीयू) का औपचारिक लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत तैयार किए गए ओलंपिक स्तर के इंडोर स्टेडियम और रामघाट रोड स्थित क्वार्सी ओवरब्रिज का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री के हाथों कराया जाएगा। माना जा रहा है कि यह दौरा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले सरकार की विकास परियोजनाओं को जनता के सामने प्रस्तुत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होगा। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुलाई के अंतिम सप्ताह तक कार्यक्रम तय किए जाने के संकेत मिले हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री स्वयं अलीगढ़ पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी निर्माण कार्य, सुरक्षा प्रबंध तथा अन्य आवश्यक तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिए कि जैसे ही प्रधानमंत्री के दौरे की आधिकारिक तिथि तय होगी

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड

हथौड़ों की चोटों के बीच बुझती गईं 15 जिंदगियां, फायर सेफ्टी दावों की खुली पोल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। एक बहुमंजिला इमारत में संचालित कोचिंग सेंटर, थ्री-डी एनीमेशन ट्रेनिंग सेंटर और गेमिंग जोन में आग लगने से 15 छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। आग की भयावहता और बचाव कार्य में सामने आई कमियों ने अग्निशमन विभाग की तैयारियों और सुरक्षा दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद सामने आए घटनाक्रम के अनुसार, इमारत में फंसे छात्रों तक पहुंचने के लिए दमकलकर्मी घंटों तक दीवारों पर हथौड़े चलाते रहे। यदि मौके पर आधुनिक हैमर ड्रिल मशीन या हाईराइज रेस्क्यू उपकरण उपलब्ध होते तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकता था। हर बीतता मिनट छात्रों के लिए मौत और जिंदगी के बीच का अंतर बनता गया, लेकिन राहत कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल सका। गौरतलब है कि मात्र 15 दिन पहले ही Yogi Adityanath ने अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग की समीक्षा बैठक में स्पेशलाइज्ड रेस्क्यू ग्रुप (एसआरजी) के गठन के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि विभाग केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि लोगों के जीवन, संपत्ति और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा भी उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए आधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षित कर्मियों और हाईराइज भवनों में आपदा प्रबंधन की विशेष व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए थे।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड: हथौड़े की चोट के साथ बुझती गईं जिंदगियां,

त्रासदी ने खोली अग्निशमन के दावों की परतें

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बीती 8 जून को अग्निशमन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया था कि एसआरजी के लिए 240 कर्मियों को एनडीआरएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ तथा अन्य विशेषज्ञ संस्थानों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाए सीएम योगी आदित्यनाथ ने 15 दिन पहले दिल्ली के एक होटल में हुए अग्निकांड में कई लोगों की मौत की घटना के बाद अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को स्पेशलाइज्ड रेस्क्यू ग्रुप (एसआरजी) का गठन करने का निर्देश दिया था। पहले चरण में 10 जिलों में इसके गठन की तैयारी भी की गई, लेकिन सोमवार को अलीगंज के कोचिंग सेंटर एवं गेमिंग जोन में लगी आग के बाद राहत कार्यों में हुई लापरवाही ने विभाग के दावों की पोल खोल दी।उन्होंने यह हिदायत भी दी थी विभाग अब केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं है। यह लोगों के जीवन, सम्पत्ति, उद्योगों और निवेश की सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। उन्होंने खासकर नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों में तेजी से बढ़ रहीं बहुमंजिला इमारतों की वजह से अग्निसुरक्षा की नई चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक संसाधनों और विशेष व्यवस्था करने को कहा था।

सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराने को कहा था

सीएम ने हाईराइज भवनों के लिए आवश्यक उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता के लिए भी कहा था। अस्पतालों, होटलों, स्कूलों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और बहुमंजिला भवनों का नियमित फायर ऑडिट कराने तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को भी कहा था।

हर पल था भारी, दीवार तोड़ने में बीता कीमती समय

इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए अग्निशमन कर्मी दीवार तोड़ने के लिए हथौड़ा चलाते रह गए, जिससे देरी होने की वजह से कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा।

CJP Delhi Protest: जंतर-मंतर पर डटे कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक,

आज प्रदर्शन का चौथा दिन

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज चौथा दिन है। नीट की तैयारी के दौरान आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों को सोमवार को जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी ने श्रद्धांजलि दी।छात्रों, अभिभावकों और अन्य लोगों ने कैंडल जलाकर व मौन रखकर उन्हें याद किया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना मंगलवार को चौथे दिन भी जारी है। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे हैं। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके का पुलिस पर आरोप

वहीं, धरने के तीसरे दिन प्रदर्शन स्थल पर आने वाले लोगों की पहचान संबंधी जांच को लेकर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके और पुलिस के बीच विवाद की स्थिति देखने को मिली। दीपके ने आरोप लगाया कि धरना स्थल पर आने वाले लोगों से आधार कार्ड और पैन कार्ड मांगे जा रहे हैं, जबकि वे केवल प्रदर्शन में शामिल होने, भोजन या पानी पहुंचाने जैसे कार्यों के लिए वहां पहुंच रहे हैं।दीपके ने कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मामला है और लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी क्यों एकत्र की जा रही है। उनके अनुसार, आधार कार्ड के माध्यम से किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच संभव है, इसलिए यह निजता से जुड़ा संवेदनशील विषय है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

प्रदर्शनकारी बोले- सरकार जब तक मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाती आंदोलन जारी रहेगा

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के चढ़ूनी गुट ने आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की है। संगठन ने छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन में शामिल होने और अपनी मांगों में भी मांगें जोड़ने का निर्णय लिया है। इससे पहले अभिजीत दीपके ने देशभर के किसानों और मजदूरों से जंतर-मंतर पहुंचकर छात्रों के आंदोलन का समर्थन करने की अपील की थी। किसानों के समर्थन का स्वागत करते हुए दीपके ने कहा कि छात्र और किसान दोनों ही देश के भविष्य और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण वर्ग हैं। उन्होंने आंदोलन के साथ खड़े होने के लिए बीकेयू (चढ़ूनी) का आभार जताया। प्रदर्शनकारियों ने भी किसानों के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाती, आंदोलन जारी रहेगा।

Delhi: सौर ऊर्जा की पटरी पर दौड़ रहा उत्तर रेलवे,

एक साल में तीन गुना बढ़ी क्षमता, जानें यात्रियों का फायदा

भारतीय रेलवे ने वर्ष 2030 तक 'नेट जीरो कार्बन एमिशन' हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत स्टेशनों की छतों, खाली भूमि और रेल ट्रैक के किनारे सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं।उत्तर रेलवे ने हरित ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक वर्ष में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता तीन गुना बढ़ा दी है। रेलवे अब ट्रेनों के कोचों में लाइट, पंखे और अन्य आवश्यक उपकरणों को सौर ऊर्जा से संचालित कर बिजली की बचत कर रहा है। विशेष रूप से डीजल संचालित ट्रेनों के कोचों में लगाए गए सोलर पैनल ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, जिससे ग्रिड और डीजल आधारित बिजली पर निर्भरता कम हुई है।भारतीय रेलवे ने 'हेड ऑन जेनरेशन' (एचओजी) तकनीक के साथ 60 जोड़ी ट्रेनों तथा कई चयनित कोचों में सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली का सफल परीक्षण और संचालन किया है। उत्तर रेलवे की शकूरबस्ती कार्यशाला में सौर पैनलों से लैस डेमू (डीजल इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट) ट्रेनें और कोच तैयार किए गए हैं। प्रत्येक कोच की छत पर 16 सोलर पैनल लगाए गए हैं, जो दिनभर ऊर्जा उत्पादन कर कोच की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। रेलवे नेटवर्क के तेजी से विद्युतीकरण और प्रदूषण कम करने की रणनीति के तहत पुराने डीजल इंजनों को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों से बदला जा रहा है।

सिस्टम को धूल से बचाने के लिए खास डिजाइन

कोच की छत पर लगे सोलर पैनलों से उत्पन्न ऊर्जा एमपीपीटी कंट्रोलर तक पहुंचती है। यहां से इसे बैटरियों में संग्रहित किया जाता है। इनवर्टर के माध्यम से इस बिजली को उपयोग योग्य बनाया जाता है। रात या बादल होने की स्थिति में बैटरी बैकअप काम आती

2030 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन का रखा है लक्ष्य

भारतीय रेलवे ने वर्ष 2030 तक 'नेट जीरो कार्बन एमिशन' हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत स्टेशनों की छतों, खाली भूमि और रेल ट्रैक के किनारे सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं।

यात्री को क्या फायदा

बिजली आपूर्ति बाधित होने या ग्रिड फेल होने की स्थिति में भी कोच में लाइट और पंखों की सुविधा बनी रहती है। इससे यात्रियों का सफर अधिक आरामदायक और सुविधाजनक होता है। रेलवे की परिचालन लागत भी कम होती है।

हाईवे पर भीषण हादसा: बस का इंतजार कर रहे थे यात्री, तेज रफ्तार ट्राला ने रौंदा, बच्ची समेत दो की मौत, कई घायल

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के सोना कट के पास मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। बस का इंतजार कर रहे यात्रियों के समूह को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्राला ने कुचल दिया। इस भीषण दुर्घटना में एक पांच वर्षीय बच्ची और एक 15 वर्षीय किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई।दिल्ली लखनऊ हाईवे पर थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के सोना कट के पास मंगलवार की सुबह तड़के बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्राला ने कुचल दिया। हादसे में एक पांच वर्षीय बच्ची व 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। जबकि हादसे में छह यात्री घायल हो गए। जिनमें से दो महिलाओं की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेरठ रेफर किया गया है।सभी यात्री तड़के सीतापुर डिपो की रोडवेज बस में सवार होकर दिल्ली और नोएडा जा रहे थे और सोना कट के पास उनकी बस खराब हो गई थी। सभी यात्री यहां खड़े होकर दूसरी बस का इंतजार कर रहे थे।

।हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया था। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची थाना देहात व हाफिजपुर पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएचसी और जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ट्रोले को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। हादसा की सूचना पर सीओ अनीता चौहान भी मौके पर पहुंची थीं।मृतकों में नायरा (5) व मीरा (22) निवासी गांव बरगामा जिला सीतापुर शामिल हैं और दोनों बुआ-भतीजी बताई जा रही हैं। जबकि घायलों मृतका मीरा की मां कांति, जयकरण निवासी हसनापुर जिला सीतापुर, अरुणा अवस्थी निवासी चेना जिला सीतापुर, कंचन निवासी सेक्टर-30 नोएडा, दीप्ति व आंशिक निवासी बिसवा जिला सीतापुर शामिल हैं। इनमें से कंचन व कांति की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेरठ के लिए रेफर कर दिया है।सीओ अनीता चौहान ने बताया कि ट्राला चालक हादसे के बाद से फरार है। पुलिस ने ट्रोले को कब्जे में ले लिया है। हादसे के संबंध में अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश: घर बहे, जमीन गई..

दो साल बाद भी अधूरी है राहत की कहानी; तीसरे मानसून से पहले बढ़ी चिंता

जुलाई 2023 की आपदा के दो साल बाद भी सोलन और बद्दी के कई प्रभावित परिवार स्थायी पुनर्वास का इंतजार कर रहे हैं। कई परिवार आज भी किराये के मकानों में रह रहे हैं। सरकार की ओर से मिले तीन लाख रुपये किराये और शुरुआती निर्माण में खर्च हो गए, जबकि जमीन और पूरा मुआवजा अब तक नहीं मिला।आपदा के बाद तीसरी मानसून आने को तैयार है। लेकिन जुलाई 2023 में आई आपदा के प्रभावितों की मुश्किलें बरकरार हैं। कुछ परिवारों के हालात ऐसे हैं कि सरकार ने मकान बनाने के लिए तीन लाख रुपये दिए, लेकिन वे किराया देने में खर्च हो गए। अब मकान बनाना तो दूर, दिहाड़ी लगाकर परिवार को पाल रहे हैं।सोलन शहर के शामती और दून के सौड़ी में आपदा से दर्जनों घर तबाह हो गए थे। कई घरों में दरारें आई थीं, तो कई पूरी तरह से टूट गए थे। सरकार ने उस समय मुआवजा और जमीन देने का वादा किया था। मगर आज तक कुछ प्रभावितों को न तो जमीन मिल पाई है और मुआवजा भी केवल तीन लाख रुपये ही दिया गया। इससे न तो घर की छतें लग पाईं और न ही दीवारों पर प्लास्टर हो पाया। सोलन के शामती और दून के सौड़ी पंचायत के नवांनगर माजरू जुलाई 2023 में जमीन धंसने से पूरी तरह से तबाह हो गया था। शामती में करीब 20 घरों में दरारें आई थीं, इसमें 2025 में सरकार ने 2-3 बिस्वा जमीन तो दे दी, मगर घर बनाने के लिए पूरा पैसा नहीं दिया। कई लोग आज भी किराये के मकानों में गुजर-बसर कर रहे हैं। जिनके पास अपनी जमीनें थीं, उन्हें केवल तीन लाख रुपये दिए, जिससे उनकी छतें तक नहीं बन पाईं।

दूसरी ओर दून के सौड़ी गांव के सात परिवार आज भी किराए के मकान में रह कर मजदूरी कर रहे हैं। इन लोगों की उपजाऊ जमीन भूमि कटाव से खड्ड में समा गई है। जहां पर जमीन थी, वह जगह पहाड़ में तब्दील हो गई है। गांव में संजय, रमेश, सुखराम, चेपूराम, मान सिंह, चमन व यशोदा के परिवार रहते थे। वर्तमान में ये किराए पर रह रहे हैं। सरकार की ओर से इन लोगों को तीन-तीन लाख रुपये मुआवजा राशि दी गई, लेकिन अभी तक इन्हें जमीन नहीं मिल पाई है।

नवांनगर निवासी संजय कुमार ने कहा कि किराए के मकान में रह रहे हैं। सुखराम बद्दी साई मार्ग पर भूपनगर के साथ पुल के समीप कमरे में रहते हैं। चेपू राम व मान सिंह दसोरा माजरा व यशोदा भटोली खुर्द में रह रही हैं। शामती निवासी मनीष ने कहा कि उनके घर के तीन कमरे टूट गए थे। सरकार ने सात लाख रुपये देने का वादा किया था, लेकिन तीन लाख रुपये ही मिल पाए। इसमें डेढ़ लाख रुपये घर के पीछे डंगा लगाने के लिए खर्च हो गए और बचे हुए पैसों से केवल दो कमरे ही बन पाए। रसोईघर पर छत नहीं लग पाई। शामती निवासी सोहन लाल ने कहा कि पहले साईं मंदिर से होने से आने-जाने का रास्ता बना हुआ था, लेकिन आपदा के बाद से अब तक कोई रास्ता नहीं है। उधर, बद्दी के तहसीलदार सतेंद्र जीत ने बताया कि प्रशासन ने प्रभावितों के लिए तीन स्थानों पर जमीन देखी। वर्तमान में झाड़माजरी में जमीन देखी है। कुछ लोग यहां पर आने को तैयार हो गए हैं लेकिन कुछ भटोली कलां में जमीन देने की मांग पर अड़े हैं। यहां जमीन नहीं मिल रही।

नगरासू गुरुद्वारा विवाद: भोजन लेने आए निहंग ने ध्यान भटकाने के लिए की पत्थरब

तीन छत से उतरे, चार अब भी डटे

नगरासू स्थित दमदमा साहिब गुरुद्वारे में तीन दिन से गुरुद्वारे की तीसरी और चौथी मंजिल पर निहंग डटे थे। सात निहंगों में से दो को पुलिस प्रशासन ने उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया, जबकि चार निहंग अब भी छत पर मौजूद हैं। नगरासू गुरुद्वारे में विवाद की शुरुआत गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी और निहंगों के बीच हुए मतभेद से हुई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनने पर मामला बढ़ गया। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अनुसार उनकी मांगें नहीं माने जाने पर निहंग तीसरी और चौथी मंजिल पर चले गए और अंदर से खुद को बंद कर लिया।नगरासू स्थित दमदमा साहिब गुरुद्वारे में तीन दिन से चल रहा गतिरोध धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ता दिख रहा है। गुरुद्वारे की तीसरी और चौथी मंजिल पर डटे सात निहंगों में से तीन नीचे उतर आए हैं। इनमें से दो को पुलिस प्रशासन ने उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया, जबकि चार निहंग अब भी छत पर मौजूद हैं।जानकारी के अनुसार रविवार देर रात प्रशासन के समझाने के बाद एक निहंग नीचे उतर आया था। सोमवार सुबह दो अन्य निहंग भोजन लेने के लिए लंगर स्थल तक पहुंचे। एक निहंग भोजन लेकर वापस चला गया लेकिन दूसरे को पुलिस ने मौके पर ही रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान छत पर मौजूद निहंगों ने पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए पत्थरबाजी भी की। वहीं एक निहंग तलवार लहराते हुए आगे बढ़ा लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया।पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने भी मौके का जायजा लिया गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रबंधक बाबा बेअंत सिंह ने बताया कि छत पर मौजूद निहंग लगातार तोड़फोड़ कर रहे हैं। उनके अनुसार तीसरी और चौथी मंजिल की दीवारों और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तोड़ी गई सामग्री को निहंग अपने बचाव के साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

सोमवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने भी मौके का जायजा लिया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, एसडीएम ऊखीमठ अनिल रावत, एसडीएम रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, पुलिस क्षेत्राधिकारी विकास पुंडीर और कोतवाली प्रभारी सुरेश बलूनी ने निहंगों से वार्ता कर उनकी मांगें सुनीं। प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस, आईटीबीपी और अन्य एजेंसियां लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

क्यों बढ़ा नगरासू गुरुद्वारा विवाद

नगरासू गुरुद्वारे में विवाद की शुरुआत गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी और निहंगों के बीच हुए मतभेद से हुई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनने पर मामला बढ़ गया। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अनुसार उनकी मांगें नहीं माने जाने पर निहंग तीसरी और चौथी मंजिल पर चले गए और अंदर से खुद को बंद कर लिया।जहां सेवादार व निहंग विवाद को कर्णप्रयाग में हुई घटना से जुड़ा बता रहे हैं और निहंग अपने साथियों की रिहाई की मांग पर अड़े हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि विवाद का कर्णप्रयाग की घटना से कोई संबंध नहीं है। एसपी निहारिका तोमर ने बताया जब मामला बढ़ा तो गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी ने पुलिस को सूचना दी। तब तक निहंग ऊपरी मंजिलों पर जा चुके थे। शनिवार से पुलिस लगातार वार्ता कर उन्हें नीचे आने के लिए समझा रही है लेकिन चार निहंग अब भी वहां डटे हुए हैं।

स्थानीय लोगों से नहीं, गुरुद्वारा प्रबंधन से है विवाद

नगरासू गुरुद्वारे में चल रहे गतिरोध का स्थानीय लोगों से कोई सीधा संबंध नहीं है। अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार विवाद गुरुद्वारा प्रबंधन और निहंगों के बीच का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात कुछ बाहरी लोग गुरुद्वारे के आसपास पहुंच रहे हैं, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो सकता है।

नगरासू गुरुद्वारा विवाद: भोजन लेने उतरे निहंग ने की पत्थरबाजी

तीन नीचे आए, चार अब भी छत पर डटे

रुद्रप्रयाग। नगरासू स्थित Damdama Sahib Gurudwara में पिछले तीन दिनों से चल रहा निहंगों और गुरुद्वारा प्रबंधन के बीच विवाद धीरे-धीरे सुलझने की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। गुरुद्वारे की तीसरी और चौथी मंजिल पर डटे सात निहंगों में से तीन नीचे उतर चुके हैं, जबकि चार निहंग अब भी छत पर मौजूद हैं। प्रशासन लगातार बातचीत के जरिए गतिरोध समाप्त करने का प्रयास कर रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात प्रशासन की समझाइश के बाद एक निहंग नीचे आया था। सोमवार सुबह दो अन्य निहंग भोजन लेने के लिए लंगर स्थल तक पहुंचे। इनमें से एक भोजन लेकर वापस छत पर चला गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने मौके पर ही रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इसी दौरान ऊपर मौजूद कुछ निहंगों ने पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए पत्थरबाजी की। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब एक निहंग तलवार लहराते हुए आगे बढ़ा, हालांकि पुलिस और सुरक्षा बलों ने हालात को नियंत्रण में बनाए रखा। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रबंधक बाबा बेअंत सिंह का आरोप है कि छत पर मौजूद निहंग लगातार भवन में तोड़फोड़ कर रहे हैं। उनके अनुसार तीसरी और चौथी मंजिल की दीवारों समेत कई हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि निहंग टूटे हुए सामान का उपयोग अपने बचाव और सुरक्षा के लिए कर रहे हैं। सोमवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक Niharika Tomar ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निहंगों से बातचीत कर उनकी मांगों को सुना और शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास किया। प्रशासन का कहना है कि बल प्रयोग से बचते हुए वार्ता के माध्यम से मामले का समाधान प्राथमिकता है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस, आईटीबीपी और अन्य एजेंसियों को तैनात किया गया है। विवाद की जड़ गुरुद्वारा प्रबंधन और निहंगों के बीच मतभेद को बताया जा रहा है। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी का कहना है कि मांगें पूरी न होने पर निहंग ऊपरी मंजिलों पर चले गए और खुद को भीतर बंद कर लिया। वहीं निहंग अपने कुछ साथियों की रिहाई की मांग पर अड़े बताए जा रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि इस विवाद का कर्णप्रयाग की पूर्व घटना से कोई सीधा संबंध नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विवाद का उनसे कोई लेना-देना नहीं है और यह पूरी तरह गुरुद्वारा प्रबंधन तथा निहंगों के बीच का मामला है। हालांकि रात के समय कुछ बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोग चिंतित हैं और प्रशासन से ऐसे तत्वों पर नजर रखने की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गुरुद्वारे के आसपास यातायात सामान्य बना हुआ है, लेकिन सुरक्षा कारणों से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है। तीन दिन से सीमित स्तर पर लंगर सेवा संचालित की जा रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही शेष चार निहंगों को भी बातचीत के माध्यम से नीचे उतार लिया जाएगा और गतिरोध पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

एक हफ्ते बाद भारत में लौटा टेलीग्राम

बैन हटते ही प्ले स्टोर पर हुई वापसी; कई प्रतिबंध अब भी जारी

नई दिल्ली। करीब एक सप्ताह तक विवादों और सरकारी प्रतिबंधों के घेरे में रहने के बाद लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म Telegram की भारत में वापसी हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद गूगल ने मंगलवार सुबह एप को दोबारा प्ले स्टोर पर उपलब्ध करा दिया। हालांकि कुछ यूजर्स के लिए प्लेटफॉर्म पहले से सीमित रूप से काम कर रहा था, लेकिन अब इसकी आधिकारिक बहाली हो चुकी है। सरकार ने 16 जून 2026 को टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। यह कार्रवाई NEET परीक्षा से जुड़े कथित फर्जी प्रश्नपत्रों, भ्रामक सूचनाओं और परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने में प्लेटफॉर्म की कथित विफलता के बाद की गई थी। इससे पहले 3 जून को सरकारी अधिकारियों और टेलीग्राम प्रतिनिधियों के बीच बैठक भी हुई थी, जिसमें इन चिंताओं को साझा किया गया था। सरकारी आदेश के तहत टेलीग्राम के मोबाइल एप, वेब वर्जन और उससे जुड़े कई लिंक को 22 जून तक ब्लॉक किया गया था। इस दौरान लाखों उपयोगकर्ताओं को प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में परेशानी हुई और कई लोगों ने वैकल्पिक माध्यमों का उपयोग किया। हालांकि प्रतिबंध हटने के बावजूद टेलीग्राम को पूरी राहत नहीं मिली है। सरकार ने प्लेटफॉर्म के मैसेज एडिटिंग फीचर पर अभी भी रोक बनाए रखी है। निर्देशों के अनुसार यह सुविधा कम से कम 30 जून तक बंद रहेगी। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने तक इस फीचर की निगरानी जारी रखी जाएगी ताकि परीक्षा से जुड़ी किसी संभावित धोखाधड़ी या गलत सूचना के प्रसार को रोका जा सके। गौरतलब है कि 21 जून को आयोजित NEET पुनर्परीक्षा के बाद अब तक किसी नए पेपर लीक या धोखाधड़ी की शिकायत सामने नहीं आई है। इसी वजह से सरकार ने टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को आगे नहीं बढ़ाया और इसकी अवधि समाप्त होने दी। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान Pavel Durov ने भारत सरकार के फैसले पर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि कुछ उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों के आधार पर पूरे प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि कंपनी के खिलाफ प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्मों की ओर से दबाव या लॉबिंग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर सरकारों तथा टेक कंपनियों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाता है। आने वाले समय में टेलीग्राम समेत अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए फर्जी सूचना, परीक्षा धोखाधड़ी और अवैध कंटेंट पर नियंत्रण को लेकर और अधिक सख्त नियम लागू किए जा सकते हैं। फिलहाल टेलीग्राम की वापसी से उसके करोड़ों भारतीय उपयोगकर्ताओं को राहत मिली है, लेकिन यह भी स्पष्ट हो गया है कि सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही को लेकर अब पहले से कहीं अधिक सख्त रुख अपनाने जा रही है। NEET पेपर लीक विवाद के बाद लगाया गया अस्थायी प्रतिबंध समाप्त, लेकिन मैसेज एडिटिंग फीचर पर 30 जून तक रोक बरकरार।

होर्मुज पर ईरान का बड़ा ऐलान

जंग से पहले जैसी स्थिति अब नहीं लौटेगी', संसद अध्यक्ष गालिबाफ की दो-टूक

तेहरान। ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा संकेत दिया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष Mohammad Bagher Ghalibaf ने कहा है कि होर्मुज अब युद्ध-पूर्व स्थिति में कभी नहीं लौटेगा और इसका प्रबंधन ईरान अपने सुरक्षा एवं रणनीतिक हितों के अनुरूप करेगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और नियमों का पालन किया जाएगा। स्विट्जरलैंड में हुई हालिया वार्ताओं से लौटने के बाद गालिबाफ ने कहा कि ईरान ने बातचीत के दौरान अपनी कूटनीतिक और रणनीतिक ताकत का प्रभावी प्रदर्शन किया है। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के दबाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump को सोशल मीडिया पर किए गए अपने एक बयान में बदलाव करना पड़ा। उस बयान में ट्रंप ने ईरान से लेबनान स्थित संगठन हिजबुल्लाह को समर्थन बंद करने की चेतावनी दी थी। गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना ईरान की नीति का हिस्सा कभी नहीं रहा है। उन्होंने दोहराया कि तेहरान ने अतीत में भी वाशिंगटन पर विश्वास नहीं किया और भविष्य में भी सतर्कता बनाए रखेगा। उनके अनुसार, स्विट्जरलैंड में हुई बातचीत का उद्देश्य किसी पर भरोसा करना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय तनाव को नियंत्रित करना और ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना था। क्षेत्रीय हालात पर टिप्पणी करते हुए गालिबाफ ने कहा कि यदि ईरान वार्ता प्रक्रिया में शामिल नहीं होता, तो लेबनान में हिंसा और रक्तपात की स्थिति और गंभीर हो सकती थी। उन्होंने दावा किया कि बातचीत ने क्षेत्र में तनाव को बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कई संभावित टकरावों को टालने में मदद की है। ईरानी संसद अध्यक्ष ने देश के भीतर एकजुटता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक और सामाजिक वर्गों को सर्वोच्च नेता Mojtaba Khamenei के नेतृत्व में एकजुट रहना चाहिए। गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े मामलों में अंतिम निर्णय सर्वोच्च नेता का ही होगा।

तमिलनाडु अमोनिया गैस रिसाव

मृतकों की संख्या बढ़कर 9, ओडिशा की प्रवासी महिला मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक निजी सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट फैक्ट्री में हुए अमोनिया गैस रिसाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इस दर्दनाक घटना में जान गंवाने वाली सभी महिलाएं थीं, जिनमें अधिकांश ओडिशा की प्रवासी मजदूर थीं। राज्य सरकार द्वारा जारी आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, हादसे में कुल 80 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 69 श्रमिक विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। यह हादसा 21 जून को फैक्ट्री में नियमित कार्य के दौरान हुआ, जब अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। जहरीली गैस तेजी से कार्यस्थल में फैल गई, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक इसकी चपेट में आ गए। गैस के प्रभाव से मजदूरों को सांस लेने में कठिनाई, तेज खांसी, सीने में दर्द तथा आंखों और गले में जलन जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मृतकों में सात महिलाएं ओडिशा और दो महिलाएं असम की रहने वाली थीं। मृतकों की पहचान शिबानी, जुमानी जुआंगा, गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, चंपाबती जुआंगा, पार्वती जुआंगा, सीता हसदा और अंजिला सोरेन के रूप में हुई है। एक अन्य महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है, हालांकि उसके भी ओडिशा का निवासी होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस, अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। प्रभावित श्रमिकों को तत्काल आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वर्तमान में मरीज वेल्स अस्पताल, वेंकटेश्वर अस्पताल, राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल और स्टेनली अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। दो मरीजों की हालत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। प्रशासन ने अमोनिया गैस रिसाव के कारणों की जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों की टीम फैक्ट्री के भीतर तकनीकी खामियों और सुरक्षा मानकों के पालन की समीक्षा कर रही है। साथ ही कारखाने परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरणीय सुरक्षा परीक्षण भी किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैस का प्रभाव अन्य लोगों तक न पहुंचे। हादसे में प्रभावित अधिकांश श्रमिक ओडिशा, असम, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी मजदूर हैं।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा मंजूर राज्यसभा कार्यकाल खत्म होते ही छोड़ा पद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री George Kurian ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका छह वर्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कुरियन केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। जॉर्ज कुरियन जून 2024 में प्रधानमंत्री Narendra Modi के तीसरे कार्यकाल के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण, मछुआरों के हितों और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले के निवासी जॉर्ज कुरियन अगस्त 2024 में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। राजनीति में उनका लंबा अनुभव रहा है और वे भाजपा के उन नेताओं में शामिल हैं जो 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से संगठन से जुड़े रहे हैं। पार्टी संगठन में उनकी पहचान एक अनुभवी रणनीतिकार और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच भाजपा की पहुंच बढ़ाने वाले नेता के रूप में रही है। राजनीतिक जीवन के अलावा कुरियन का कानूनी क्षेत्र में भी लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने कानून में स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में भी कार्य किया। मार्च 2017 से मार्च 2020 तक वे National Commission for Minorities के उपाध्यक्ष भी रहे, जहां उन्होंने अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई।

65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन का जन्म 20 सितंबर 1960 को केरल के कोट्टायम में हुआ था। राज्यसभा का कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें दोबारा उच्च सदन के लिए उम्मीदवार नहीं बनाया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के चुनावी समीकरणों और पार्टी की रणनीतिक प्राथमिकताओं के चलते यह फैसला लिया गया। उनके इस्तीफे के साथ केंद्र सरकार में एक पद रिक्त हो गया है। अब राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में इस स्थान पर किस नेता को मौका मिल सकता है। वहीं भाजपा संगठन और सरकार में उनकी भविष्य की भूमिका को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन पार्टी और सरकार में उनके लंबे अनुभव तथा संगठनात्मक योगदान को भाजपा के भीतर महत्वपूर्ण माना जाता है। आने वाले समय में उन्हें संगठन या किसी अन्य जिम्मेदारी में नई भूमिका मिल सकती है।

Cockroach Janta Party के आंदोलन को मिला BKU का साथ चौथे दिन जंतर-मंतर पर बढ़ा समर्थन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा Cockroach Janta Party (CJP) का आंदोलन अब केवल छात्रों तक सीमित नहीं रह गया है। आंदोलन के चौथे दिन इसे किसानों का भी खुला समर्थन मिल गया, जिससे प्रदर्शन को नई ताकत और व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा है। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के चढ़ूनी गुट ने आधिकारिक रूप से आंदोलन में शामिल होने और छात्रों के समर्थन में आवाज उठाने की घोषणा की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब आंदोलन लगातार गति पकड़ रहा है और देश के विभिन्न हिस्सों से छात्र, युवा और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर पहुंच रहे हैं। आंदोलन के संस्थापक Abhijeet Dipke ने रविवार को देशभर के किसानों से अपील की थी कि वे दिल्ली आकर छात्रों के संघर्ष में भागीदारी करें। उन्होंने कहा था कि शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे केवल छात्रों की समस्या नहीं हैं, बल्कि ये पूरे समाज और देश के विकास से जुड़े प्रश्न हैं। दिपके ने अपने संबोधन में कहा था कि जब छात्र और किसान एक साथ खड़े होंगे, तभी व्यवस्था पर प्रभावी दबाव बनाया जा सकेगा। उनकी इस अपील का असर जल्द ही दिखाई दिया और भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी गुट ने आंदोलन के समर्थन का ऐलान कर दिया। संगठन के नेताओं ने कहा कि किसानों और छात्रों की लड़ाई अलग-अलग नहीं है, बल्कि दोनों वर्ग अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। बीकेयू के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि वे जंतर-मंतर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे और छात्रों की मांगों के साथ-साथ किसानों से जुड़े मुद्दों को भी सरकार के सामने रखेंगे। किसान नेताओं का कहना है कि कृषि क्षेत्र की चुनौतियां, बढ़ती लागत, फसलों का उचित मूल्य, रोजगार की समस्या और युवाओं का भविष्य आपस में जुड़े हुए विषय हैं। ऐसे में दोनों वर्गों का एक मंच पर आना स्वाभाविक है। आंदोलन के चौथे दिन जंतर-मंतर पर माहौल पहले की तुलना में अधिक सक्रिय दिखाई दिया। छात्रों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को दोहराया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से छात्रों और युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा है। किसानों के समर्थन के बाद आंदोलन की रणनीति में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में विभिन्न किसान संगठनों, सामाजिक समूहों और युवा संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ने की कोशिश की जाएगी। यदि ऐसा होता है तो आंदोलन का दायरा और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि छात्रों और किसानों का यह साझा मंच सरकार के लिए एक नई चुनौती बन सकता है।

दिलजीत दोसांझ के अमेरिका शो में हंगामा

शुक्रवार को दिलजीत के लाइव शो के दौरान एक प्रो-खालिस्तान प्रदर्शनकारी स्टेज पर चढ़ गया। इसके बाद माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। जानिए क्या है पूरा मामला। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के सैन फ्रांसिस्को में हुए कॉन्सर्ट के दौरान एक प्रो-खालिस्तान प्रदर्शनकारी स्टेज पर चढ़ गया, जिससे वहां अचानक हड़कंप मच गया। इस घटना ने कुछ समय के लिए वहां मौजूद दर्शकों को चौंका दिया।हालांकि, मौके पर मौजूद सिक्योरिटी और स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने उस व्यक्ति को पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया।इस पूरे घटनाक्रम के बावजूद दिलजीत दोसांझ ने अपना शो नहीं रोका। जैसे ही उस व्यक्ति क गिरफ्तार किया गया, दिलजीत ने फिर से अपना परफॉर्मेंस शुरू कर दिया और डांस करते हुए दर्शकों का मनोरंजन जारी रखा। उन्होंने पूरे शो के दौरान एंटरटेनमेंट और लोगों को जोड़ने का संदेश दिया।बताया जा रहा है कि यह घटना हाल ही में सोशल मीडिया पर मिल रही धमकियों से जुड़ी हो सकती है। कुछ कट्टरपंथी समूह, जैसे 'सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ)', दिलजीत के मेनस्ट्रीम इंडियन मीडिया में आने को लेकर विरोध जता रहे थे।दिलजीत पहले भी साफ कर चुके हैं कि जो भी उनके फैंस को परेशान करेगा या शो में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उसे स्थानीय प्रशासन की मदद बाहर कर दिया जाएगा।यह घटना ऐसे समय पर हुई जब दिलजीत दोसांझ का नॉर्थ अमेरिका 'ऑरा वर्ल्ड टूर 2026' खत्म हो रहा था। इस टूर का आखिरी शो 20 और 21 जून 2026 को सैन फ्रांसिस्को के चेस सेंटर में हुआ।

सोना मोहापात्रा ने बॉलीवुड पर खड़े किए सवाल

सिंगर सोना मोहापात्रा अक्सर इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। चाहे बात सेक्सिज्म की हो या महिलाओं की कम हिस्सेदारी की, अब उन्होंने बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर एक और बड़ा बयान दिया है।अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'बॉलीवुड के सारे हार्टब्रेक गाने पुरुषों के लिए रिजर्व हैं। प्यार भी वही महसूस करते हैं, दर्द भी वही दिखाया जाता है। मुझे जब भी किसी डुएट गाने के लिए बुलाया गया, तो अक्सर मुझे सिर्फ आखिर में गाने का मौका मिला।' कहा कि जब उन्हें 'जालिमा' गाने के लिए बुलाया गया, तो वह हैरान रह गईं।सोना ने आगे कहा, 'इस गाने में मुखड़ा, अंतरा- सब कुछ पुरुष सिंगर ने गाया। मैं बस आखिर में आती हूं। मैंने म्यूजिक डायरेक्टर से पूछा- क्या आदमी खुद से ही प्यार कर रहा है? ये कैसा डुएट है, जिसमें लड़की आखिर में आती है?'उन्होंने यह भी साफ किया कि यह किसी एक कलाकार की गलती नहीं है, बल्कि पूरी इंडस्ट्री का सिस्टम ऐसा हो गया है, जो रिस्क लेने से बचता है।सोना ने आगे कहा कि यह मुद्दा सिर्फ गानों का नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व का है। अगर इंडस्ट्री महिलाओं की मजबूत कहानियां बनाना बंद कर देगी, तो आगे चलकर बड़ी महिला स्टार्स भी नहीं बनेंगी।उन्होंने लिखा, 'मुद्दा ये नहीं है कि महिलाओं ने हार्टब्रेक गाने कभी गाए ही नहीं। असली बात ये है कि अब ऐसे गाने उनके लिए लिखे ही नहीं जाते। जब 80-90% बड़े गाने पुरुषों के लिए होंगे, तो महिला सिंगर्स को बराबरी का मुकाम कैसे मिलेगा?''जालिमा' गाना 2017 की फिल्म 'रईस' का है, जिसे अरिजीत सिंह और हर्षदीप कौर ने गाया था। इस गाने में शाहरुख खान और माहिरा खान नजर आए थे।

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की शादी

की रस्में हुईं शुरू, प्री-वेडिंग इवेंट में शामिल हुए अर्जुन और जान्हवी

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर जल्द ही अपने मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। उनके घर पर शादी से पहले के उत्सव और पूजा की रस्में शुरू हो चुकी हैं। जिसकी खास झलक शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है।इस खास मौके पर पूरा कपूर परिवार एक साथ नजर आया। पूजा के दौरान दूल्हा रोहन और दुल्हन अंशुला ने मिलकर आरती की। इस दौरान परिवार के कई सदस्य शामिल हुए।अभिनेता अर्जुन कपूर लाल रंग के पारंपरिक कपड़ों में भाई का फर्ज निभाते दिखे। वहीं जान्हवी कपूर और खुशी कपूर भी इस जश्न का हिस्सा बनीं।महीप कपूर, सुनीता कपूर, संजय कपूर और शनाया कपूर सहित पूरे परिवार ने पारंपरिक कपड़ों में सज-धजकर जोड़े को अपना आशीर्वाद दिया और साथ में तस्वीरें खिंचवाईं। अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की पहली मुलाकात साल 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए शुरू हुई थी। इन तस्वीरों को शनाया कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।अक्तूबर 2025 में अंशुला और रोहन की सगाई की रस्म हुई थी। रोहन ने अंशुला के पसंदीदा शहर के सेंट्रल पार्क में एक महल के सामने रात के ठीक 1:15 बजे उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था

जैकलीन फर्नांडीस के बॉडीगार्ड से नाराज हुए फैंस

अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो मुंबई में हुए एक इवेंट का है, जिसमें जैकलीन शामिल हुईं। वायरल हो रहे इस वीडियो में एक्ट्रेस के बॉडीगार्ड का बर्ताव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में जैकलिन अपने फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाने की कोशिश करती दिख रही हैं, जबकि उनका बॉडीगार्ड उनकी कलाई पकड़ कर उन्हें रोक रहा है।हालांकि, बॉडीगार्ड के उन्हें स्टेज से दूर ले जाने की कोशिश के बावजूद एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। लेकिन जैकलीन के बॉडीगार्ड के बर्ताव से इंटरनेट यूजर्स काफी नाराज हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट किया, 'बहुत बुरा आदमी है। बॉडीगार्ड उनकी इज्जत नहीं करता। बहुत से लोग ऐसे लोगों को पसंद नहीं करते।'एक अन्य यूजर ने लिखा, 'प्रोटेक्टिव है सही पर उसको टच करने का राइट किसने दिया? बिना टच किए प्रोटेक्ट करे।' एक यूजर ने कहा, 'भाई ये एक्टर्स किसी दूसरे को टच नहीं होने देते, इसलिए बॉडीगार्ड दूर कर रहा है। पहले से समझा कर रखते हैं इन्हें।'वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडीस अगली बार 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कॉकटेल 2' को मिला रविवार का फायदा

'कॉकटेल 2' ने पहले दिन शुक्रवार को 13.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन की इस फिल्म ने दूसरे दिन शनिवार को 16.25 करोड़ रुपये की कमाई की, जो पहले दिन के मुकाबले ज्यादा है। वहीं आज तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है।निर्देशक होमी अदजानिया की फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज को आज रविवार को पूरे तीन दिन हो चुके हैं। इस फिल्म रविवार को तीसरे दिन 14.81 करोड़ रुपये की कमाई की है। शाहिद कपूर की 'कॉकटेल 2' ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 44.56 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म लगातार ऐसे ही कमाई करती रही तो जल्द ही 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी।

निर्देशक बी.वी. नंदिनी रेड्डी की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' ने पहले दिन शुक्रवार को 5.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। सामंथा रुथ प्रभु की इस फिल्म ने दूसरे दिन शनिवार को 7.65 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं आज रविवार का तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है।सामंथा रुथ प्रभु की एक्शन फिल्म 'मां इंटी बंगारम' ने आज रविवार को तीसरे दिन 8.21 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो लगातार बढ़ती रहेगी। इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 21.21 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है, जो शाहिद की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'कॉकटेल 2' से काफी कम है।'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई हिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में शाहिद कपूर ने कुणाल, कृति सेनन ने एली और रश्मिका मंदाना ने दीया की भूमिका निभाई है।इसके अलावा सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक भारतीय तेलुगु भाषा की एक्शन ड्रामा फिल्म है।

विराट कोहली ने करण औजला के गाने

विनिंग स्पीच' पर किया डांस, देखें वायरल वीडियो

पंजाबी म्यूजिक स्टार करण औजला ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में जबरदस्त परफॉर्मेंस दी। उन्होंने 'विनिंग स्पीच', 'वेवी' और 'एमएफ गबरू' जैसे अपने सबसे बड़े हिट गाने गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान विराट कोहली ने स्टेज पर करण के गाने पर जमकर डांस किया।पंजाबी म्यूजिक स्टार करण औजला ने इस कार्यक्रम में अपने सुपरहिट गाने जैसे 'विनिंग स्पीच', 'वेवी' और 'एमएफ गबरू' गाकर समां बांध दिया। यह शानदार कार्यक्रम आज रविवार को नई दिल्ली के 'यशोभूमि' में आयोजित किया गया, जहां भारी भीड़ उमड़ी। इस कार्यक्रम के कई वीडियो करण ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किए हैं।इस कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब आया जब करण औजला ने भारतीय क्रिकेटर और 'One8' के फाउंडर विराट कोहली को स्टेज पर बुलाया। करण ने दोबारा 'विनिंग स्पीच' गाना गाया और कोहली इस गाने की बीट्स पर झूमते और डांस करते नजर आए। एएनआई के अनुसार, विराट कोहली ने बताया कि वह काफी समय से करण औजला के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें 'विनिंग स्पीच' गाना सबसे ज्यादा पसंद है क्योंकि यह गाना उन्हें अपनी जवानी के दिनों के सफर की याद दिलाता है। कोहली ने यह भी बताया कि वह मैच खेलने जाने से पहले अक्सर इस गाने को सुनते हैं। इस खास मौके पर मशहूर फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता भी मौजूद थीं, जिन्होंने 'One8' के फैशन आइकन के रूप में रैंप वॉक किया। स्टेज पर विराट और करण की इस केमिस्ट्री को देखकर वहां पर मौजूद फैंस खुशी से झूम उठे।

यह कलाकार बना भारत का सबसे महंगा एक्टर, शाहरुख-रजनीकांत को छोड़ा पीछे

ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर सिंह ने एक ही प्रोजेक्ट से करीब 325 करोड़ की कमाई की है, जो किसी भी भारतीय एक्टर के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम मानी जा रही है।रणवीर सिंह को यह बड़ी कमाई उनकी फिल्म 'धुरंधर' से हुई है। यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज हुई थी और दोनों ही पार्ट्स ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों फिल्मों ने मिलाकर दुनिया भर में करीब 3200 करोड़ का कलेक्शन किया, जिसमें से भारत में ही 1900 करोड़ से ज्यादा की कमाई हुई। बताया जा रहा है कि रणवीर ने इस फिल्म के लिए अपनी नॉर्मल फीस नहीं ली थी। उन्होंने प्रॉफिट शेयरिंग मॉडल अपनाया था, यानी फिल्म के मुनाफे में हिस्सा लिया। इतना ही नहीं, जब फिल्म का बजट बढ़ गया तो उन्होंने खुद भी पैसे लगाए, जिससे उनका हिस्सा और बढ़ गया। थिएटर कलेक्शन, डिजिटल राइट्स, सैटेलाइट राइट्स और म्यूजिक राइट्स से हुई कमाई को मिलाकर रणवीर का हिस्सा करीब 325 करोड़ तक पहुंच गया।इससे पहले सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड साउथ सुपरस्टार रजनीकांत के नाम था, जिन्होंने 2024 की फिल्म 'जेलर' से 250 करोड़ से ज्यादा कमाए थे। वहीं, अल्लू

अर्जुन और प्रभास भी अपनी फिल्मों 'पुष्पा 2' और 'कल्कि 2898 एडी' से 200 करोड़ से ज्यादा कमा चुके हैं। बॉलीवुड में इससे पहले यह रिकॉर्ड शाहरुख खान के नाम था, जिन्होंने 2023 में 'पठान' और 'जवान' जैसी फिल्मों से करीब 200 करोड़ प्रति फिल्म कमाए थे।एक समय था जब किसी एक्टर का 10 करोड़ फीस लेना भी बड़ी बात होती थी। 90 के दशक में चिरंजीवी, कमल हासन और श्रीदेवी ऐसे स्टार्स थे, जिन्होंने पहली बार 1 करोड़ फीस ली थी। फिर धीरे-धीरे खान सुपरस्टार्स ने इस फीस को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। और अब, 2026 में रणवीर सिंह ने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है।

The Bonus Market Update:

सेंसेक्स ने लगाई 400 अंकों की छलांग; निफ्टी 24100 के पार पहुंचा

आज बाजार खुलते ही निवेशकों को कितना हुआ फायदा

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर अपना पुराना मोमेंटम हासिल करते हुए मजबूती के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स 423.30 अंक (0.55%) की जोरदार छलांग लगाते हुए 77,226.20 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी ने भी 119.11 अंक (0.50%) की बढ़त के साथ 24,132.20 पर कारोबार शुरू किया। शुक्रवार को लगातार पांच दिनों की तेजी पर ब्रेक लग गया था, लेकिन सोमवार की इस शानदार रिकवरी ने निवेशकों को बड़ी राहत दी है। आज के शुरुआती कारोबार में एचसीएल टेक और मारुति के शेयर मुनाफे वाले शेयरों (टॉप गेनर्स) की लिस्ट में सबसे आगे रहे। घरेलू बाजार में आज जहां खरीदारी का जोर है, वहीं दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले रुझान सामने आ रहे हैं। एक तरफ जापान के टॉपिक्स इंडेक्स में 1.3% और ऑस्ट्रेलिया के S&P/ASX 200 में 0.1% की मजबूती देखी गई।दूसरी तरफ, अमेरिकी बाजार में सुस्ती नजर आई जहां S&P 500 फ्यूचर्स 0.4% गिर गए।

हफ्ते के पहले दिन शेयर बाजार ने की शानदार वापसी। सेंसेक्स 400 अंक उछला और निफ्टी 24,100 के पार खुला। मॉनसून की सुस्ती और ग्लोबल मार्केट का क्या होगा असर? पूरी खबर पढ़ें और मार्केट का हाल जानें। पिछले हफ्ते के आखिरी दिन की सुस्ती के बाद, सोमवार की सुबह शेयर बाजार के निवेशकों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आई है। सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार वापसी करते हुए 'हरे निशान' में शानदार शुरुआत की है। लेकिन, इस तेजी के बीच एक चिंता है जो निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींच रही है- और वह है मॉनसून की धीमी चाल।बाजार में भले ही रौनक लौट आई है, लेकिन आने वाले दिनों में बाजार की चाल काफी हद तक मॉनसून की प्रगति पर निर्भर करेगी। मौजूदा अल नीनो परिस्थितियों के कारण इस साल जून में अब तक सामान्य से लगभग 38% कम बारिश दर्ज की गई है। अगर मॉनसून में और देरी होती है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों की बुवाई पर पड़ेगा। पैदावार कम होने की आशंका से खाद्य महंगाई (फूड इन्फ्लेशन) बढ़ सकती है और ग्रामीण इलाकों में मांग घट सकती है।ये ऐसे कारक हैं जो सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था और कॉरपोरेट अर्निंग्स को प्रभावित कर सकते हैं।एशियाई बाजारों में भी दबाव देखने को मिला; हांगकांग का हैंग सेंग 1.3% और शंघाई कंपोजिट 0.2% की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा यूरोप के यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में भी 0.3% की गिरावट दर्ज की गई है।कुल मिलाकर, हफ्ते की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद सकारात्मक रही है।

ULIP: तस्वीर बदल चुकी है, दोबारा लौट रहे हैं यूलिप

एफडी पर घटते ब्याज के बीच बन रहा विकल्प

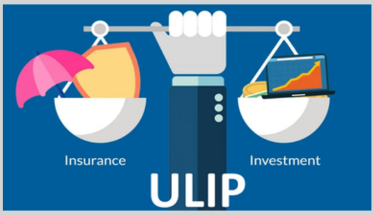

इक्विटी फंड की विविधता: निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मिड कैप, फ्लेक्सी कैप, इंडेक्स फंड सहित कई प्रकार के इक्विटी फंड में निवेश का विकल्प चुन सकते हैं।नए यूलिप में मुख्य खर्च केवल फंड मैनेजमेंट चार्ज है, जो IRDAI के अनुसार अधिकतम 1.35% प्रतिवर्ष तक सीमित है। यह म्यूचुअल फंड के खर्चों के करीब है। लंबी अवधि (10–15 वर्ष) में इक्विटी-आधारित यूलिप ने औसतन 10%–13% तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं के 4-5 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है।यूलिप एक ऐसा उत्पाद है जो बीमा और निवेश को एक साथ जोड़ता है। प्रीमियम का एक हिस्सा मृत्यु लाभ के लिए और शेष हिस्सा चुने गए फंड में निवेश के लिए उपयोग होता है। यह प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतर है यूलिप तब लेना उचित है जब आपके पास कम से कम 10 से 15 वर्ष का निवेश समय हो। कम अवधि में यूलिप का लाभ सीमित रहता है। यह बच्चों की शिक्षा, सेवानिवृत्ति योजना या दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के लिए एक प्रभावी साधन हो सकता है।यदि आपके पास पहले से पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस है और आप अतिरिक्त बीमा कवर के साथ निवेश करना चाहते हैं, तो यूलिप एक सहायक विकल्प हो सकता है। हालांकि, प्राथमिक जीवन बीमा के लिए टर्म प्लान सर्वोत्तम रहता है। यूलिप को सेकेंडरी कवर के रूप में तभी लें जब आपकी दीर्घकालिक निवेश योजना इससे मेल खाती हो

नए यूलिप में मुख्य खर्च केवल फंड मैनेजमेंट चार्ज है, जो IRDAI के अनुसार अधिकतम 1.35% प्रतिवर्ष तक सीमित है। यह म्यूचुअल फंड के खर्चों के करीब है। लंबी अवधि (10–15 वर्ष) में इक्विटी-आधारित यूलिप ने औसतन 10%–13% तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं के 4-5 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है।देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) बेचने में सक्रिय हो गए हैं। इसकी मुख्य वजह है बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज का घटना। वहीं, यूलिप में बाजार से जुड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। बैंक इसे एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में पेश कर रहे हैं, जिसमें बीमा कवर भी है और निवेश का अवसर भी।हाल के वर्षों में यूलिप की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बीमा उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में यूलिप की हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है, जो बाजार में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।एक दशक पहले भारी-भरकम शुल्क, कम रिटर्न और जटिल संरचना के कारण यूलिप की छवि खराब हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। आईआरडीएआई के सख्त नियमों के बाद नए यूलिप में बड़े सुधार हुए हैं

सिप तोड़ना नहीं, मौका छोड़ना नहीं:

वैश्विक अनिश्चितता और युद्ध से घटा निवेश,

इक्विटी म्यूचुअल फंड के मासिक निवेश में अचानक बड़ी गिरावट आने के बाद, हजारों निवेशक इस सवाल से जूझ रहे हैं, अब क्या करें? सिप जारी रखें या रुक जाएं? क्या आप भी सिप रोकने या रिडेम्पशन करने की सोच रहे हैं? तो ठहरिए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मई के आंकड़ों ने कई निवेशकों के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। वैश्विक अनिश्चितता और युद्ध के बीच मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 40 फीसदी घटा है। मई में सिर्फ 22,878 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। अप्रैल में यह आंकड़ा 38,148 करोड़ और मार्च में 40,450 करोड़ रुपये था।राहत की खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम और होर्मुज जलमार्ग खोलने पर सहमति बनने के बाद से बाजार में लगातार निचले स्तरों से वापसी शुरू हुई है। पिछले चार कारोबारी सत्रों में निफ्टी-50 में करीब 4 फीसदी की तेजी आ चुकी है।जब बाजार में रिकवरी शुरू होती है, तो आम निवेशक अक्सर पीछे छूट जाने के डर (FOMO) का शिकार हो जाता है। वह सोचता है कि अगर अभी सारा पैसा नहीं लगाया, तो ट्रेन छूट जाएगी। जोश में आकर होश खोने की यह गलती आपके पूरे वित्तीय भविष्य को नुकसान पहुंचा सकती है।

बाजार जब मंदी या दबाव के दौर से निकलकर वापस ऊपर की ओर कदम बढ़ा रहा हो, तो अपने पोर्टफोलियो के आईने को साफ करने का यह सबसे मुफीद समय है।अगर आपका कोई इक्विटी फंड अपनी ही श्रेणी के दूसरे प्रतिस्पर्धी फंड्स और अपने बेंचमार्क सूचकांक के मुकाबले लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो इस रिकवरी के दौर में उससे बाहर निकलिए। रिकवरी में जब उस फंड की एनएवी थोड़ी सुधरे, तो पैसा निकालकर किसी मजबूत फंड में लगा दें

Gold-Silver Price:

आसमान से जमीन पर आए सोने-चांदी के दाम, लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड गिरावट

शांति समझौते और फेड रिजर्व के तगड़े झटके से सर्राफा बाजार में हाहाकार मच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध की तलवार क्या खिंची, सोने और चांदी की कीमतों ने आसमान से सीधे जमीन की तरफ दौड़ लगा दी। लगातार दूसरे दिन की भारी बिकवाली के चलते चांदी एक ही झटके में ₹8,200 से ज्यादा सस्ती हो गई है, वहीं शुद्ध सोना भी ₹3,123 प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। इस रिकॉर्ड गिरावट के बाद अब सोना ₹1.45 लाख और चांदी ₹2.32 लाख के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का असर पूरी दुनिया के बाजारों में देखने को मिल रहा है। सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली। इससे सोने का दाम 1.45 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.32 लाख रुपए प्रति किलो से नीचे आ गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 3,123 रुपए कम होकर 1,44,970 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,48,093 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,35,653 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,32,793 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,08,728 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,11,070 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 8,218 रुपए कम होकर 2,31,93 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,40,191 रुपए प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। कॉमेक्स पर सोना 1.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,174.47 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.91 डॉलर प्रति औंस पर थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि फेडरल रिजर्व की ओर से 2026 में ब्याज दरें एक बार बढ़ाने के संकेत के बाद सोने की कीमतों पर दबाव देखने को मिल रहा है। इससे अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ और सोने जैसी बिना रिटर्न वाली संपत्तियों का आकर्षण कम हो गया। फेड के सख्त रुख के कारण बुलियन बाजारों में बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग देखी गई।उन्होंने आगे कहा कि फेड की पॉलिसी के ऐलान के बाद पिछले कुछ सेशन में कॉमेक्स गोल्ड की कीमत लगभग 4375 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 4150 डॉलर प्रति औंस हो गई है,

Oil Import: भारत ने बढ़ाई रूस और यूएई से तेल खरीद, अमेरिका को दिया झटका

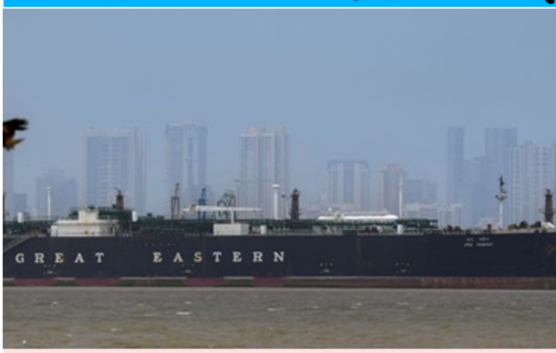

हॉर्मुज संकट के दौरान एलपीजी क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिला। खाड़ी क्षेत्र से आपूर्ति प्रभावित होने के बाद अमेरिका भारत के लिए एक प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा। पिछले वर्ष हुए दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, लंबी दूरी के कारण परिवहन लागत बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि हॉर्मुज के पूरी तरह सामान्य होने के बाद खाड़ी देशों की बाजार हिस्सेदारी फिर बढ़ सकती है, लेकिन भारत का आयात स्रोत पहले की तुलना में अधिक विविध बना रहेगा।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारत ने अपनी तेल खरीद को विविध देशों में बांटा है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के असर को कम किया जा सके। हालिया आंकड़ों के अनुसार, रूस, भारत का सबसे बड़ा तेल निर्यातक देश बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह सामान्य होने से पहले भारत ने रूस और संयुक्त अरब अमीरात से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। विश्लेषकों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के असर को कम किया जा सके। समुद्री और कमोडिटी इंटेलिजेंस फर्म कपलर के आंकड़ों के मुताबिक, जून में 19 जून तक भारत ने रूस से औसतन 26.6 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया, जो मई में 19.1 लाख बैरल प्रतिदिन था। इसके साथ ही रूस भारत का सबसे बड़ा तेल बना हुआ है।वहीं, संयुक्त अरब अमीरात से जून में 6.36 लाख बैरल प्रतिदिन तेल आयात किया गया, जो मई में दर्ज रिकॉर्ड 6.44 लाख बैरल से थोड़ा कम है। इस दौरान वेनेजुएला 2.09 लाख बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा, जबकि सऊदी अरब से 3.84 लाख बैरल प्रतिदिन तेल आयात हुआ। इसके विपरीत, अमेरिका से तेल आयात में तेज गिरावट दर्ज की गई। जून में यह घटकर 91,000 बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि मई में यह 2.52 लाख बैरल प्रतिदिन था।भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस की जरूरत का करीब 50 प्रतिशत और एलपीजी खपत का लगभग 65 प्रतिशत आयात करता है।भारत के तीन ध्वजवाहक तेल टैंकर, जिनमें 8.6 लाख टन से अधिक कच्चा तेल लदा था,

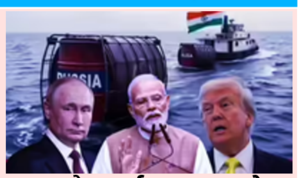

रूस और यूएई पर बढ़ा भरोसा

विशेषज्ञों का कहना है कि रियायती दरों पर उपलब्ध रूसी तेल भारतीय रिफाइनरों के लिए अब भी पहली पसंद बना हुआ है। वहीं यूएई से बढ़ी खरीद ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता की भरपाई करने में मदद की है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा आयातक भारत अपनी तेल, प्राकृतिक गैस (LNG) और रसोई गैस (LPG) की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर है। ईरान युद्ध के बाद हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किए जाने से ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी। यह जलमार्ग वैश्विक तेल खपत का लगभग 20 प्रतिशत वहन करता है और सऊदी अरब, इराक, कुवैत, यूएई तथा कतर जैसे देशों के लिए प्रमुख निर्यात मार्ग है। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते के बाद पिछले सप्ताह के अंत धीरे बहाल होने लगी है।

Aaj Ka Rashifal 23 june

मूलांक 5 और 7 वालों के लिए सोच-समझकर कदम बढ़ाने का समय करियर में मिलेगी नई दिशा

23 June Ka Rashifal: आचार्य मानस शर्मा से जानें चंद्र राशि आधारित मेष से मीन तक सभी राशियों का 23 जून 2026 का दैनिक राशिफल और ग्रह गोचर का प्रभाव। ज्योतिषीय गणना के अनुसार 23 जून 2026 का दिन चंद्रमा की स्थिति के कारण मानसिक ऊर्जा, भावनाओं और संबंधों पर विशेष प्रभाव डाल रहा है। यह दिन कुछ लोगों के लिए रुके हुए कार्यों में प्रगति और नए अवसरों का संकेत दे रहा है हैजबकि कुछ राशियों को अपने निर्णयों में सावधानी और धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता होगी।

मेष

आज भाग्य आपके लिए रिश्तों के खजाने का ताला खोल सकता है। कोई पुराना मित्र, जिससे वर्षों से संपर्क नहीं था, अचानक आपकी सफलता की राह का महत्वपूर्ण पात्र बन सकता है। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और मेहनत का फल दिखाई देने लगेगा। व्यापार में नई संभावनाएँ उभरेंगी, खासकर साझेदारी से जुड़े लोगों के लिए समय लाभदायक रहेगा। किसी जरूरतमंद मित्र की सहायता करके आप सम्मान और प्रशंसा प्राप्त करेंगे। खोई हुई प्रिय वस्तु के मिलने की भी संभावना बन रही है। दिन का समापन किसी धार्मिक या आध्यात्मिक वातावरण में होगा, जो मन को गहरी शांति देगा।

वृषभ

आज का दिन आपको सजगता और समझदारी का पाठ पढ़ाएगा। हर मुस्कुराता चेहरा आपका हितैषी हो, यह आवश्यक नहीं है, इसलिए अपने निर्णय सोच-समझकर लें। छोटे लाभ भी आगे चलकर बड़ी सफलता की नींव बन सकते हैं। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में थोड़ी कसक उठ सकती है, लेकिन वही अनुभव आपको अधिक मजबूत और परिपक्व बनाएगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। धैर्य, संयम और शांत सोच आज आपके सबसे बड़े साथी साबित होंगे।

मिथुन

आज रिश्तों में मिठास घुलने का दिन है। यदि वैवाहिक जीवन में कोई दूरी या गलतफहमी थी, तो उसके दूर होने के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में भी अपनापन और विश्वास बढ़ेगा। विदेश में पढ़ाई या करियर का सपना देखने वालों को उत्साहजनक समाचार मिल सकता है। संतान की किसी उपलब्धि से गर्व महसूस होगा। माता-पिता का आशीर्वाद आज आपके लिए सौभाग्य का द्वार खोल सकता है और कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

कर्क

आज नई संभावनाएँ आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिलने के संकेत हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेंगे। इससे सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। कुछ लोग आपकी सरलता का गलत अर्थ निकाल सकते हैं, लेकिन आपकी सच्चाई ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से भीतर खुशी और संतोष का अनुभव होगा।

सिंह

आज आप अपने किसी बड़े लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और सफलता आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। परिवार में संतान की उपलब्धि या नौकरी से खुशी का माहौल रहेगा। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति के आने की संभावना है। पैतृक संपत्ति से जुड़ी उलझनों में राहत मिल सकती है। बस स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें, क्योंकि सफलता का आनंद तभी मिलेगा जब ऊर्जा बनी रहे।

कन्या

आज आपका आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा चरम पर रह सकती है। भाग्य का साथ मिलने से कठिन लगने वाले कार्य भी सरल प्रतीत होंगे। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके लिए मार्गदर्शन का काम करेगी। विवाह से जुड़ी किसी रुकावट के दूर होने से घर में प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान मिली जानकारी भविष्य में बड़ा लाभ दे सकती है। माता-पिता का सहयोग मानसिक शक्ति प्रदान करेगा।

तुला

आज पुरानी परेशानियों के बादल धीरे-धीरे छंटते नजर आएंगे। लंबे समय से चली आ रही उलझनों में राहत मिलेगी। कार्यक्षेत्र में लिया गया कोई निर्णय आपको दोबारा सोचने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन यही विचार-विमर्श आगे की राह स्पष्ट करेगा। दूसरों पर अत्यधिक निर्भरता से बचें और अपने निर्णयों पर भरोसा रखें। पुराना लेन-देन सुलझ सकता है। विद्यार्थियों के लिए भी दिन उपलब्धियों का संकेत दे रहा है।

वृश्चिक

आज जीवन में स्थिरता और विस्तार दोनों के संकेत हैं। घर, जमीन या संपत्ति से जुड़ी योजनाएँ आकार ले सकती हैं। लंबी यात्रा का विचार भी मन में आ सकता है। व्यापार में लाभ और रुकी हुई योजनाओं को नई गति मिलने के योग हैं। जिस काम को पूरी लगन से करेंगे, उसमें सफलता की संभावना प्रबल रहेगी। भाई-बहनों के साथ किसी छोटी बात पर मतभेद हो सकता है, लेकिन समझदारी से स्थिति सहज हो जाएगी।

धनु

आज जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, लेकिन यही जिम्मेदारियाँ आपकी सफलता की सीढ़ी बनेंगी। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण दायित्व मिल सकता है और वरिष्ठ आपके काम से प्रभावित रहेंगे। परिवार में किसी अहम विषय पर चर्चा हो सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात मन को ताजगी और खुशी देगी। जीवनसाथी का स्नेह या कोई विशेष सरप्राइज आपके दिन को यादगार बना सकता है।

मकर

आज लंबे समय से अटके कार्य पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की संभावना से खुशी का माहौल बन सकता है। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी को लेकर सकारात्मक संकेत मिलेंगे। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है और किसी पुराने निर्णय की याद मन को विचलित कर सकती है। फिर भी आपकी समझदारी और धैर्य हर परिस्थिति को संभाल लेंगे।

कुंभ

आज आप स्वयं को हल्का, ऊर्जावान और उत्साहित महसूस करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में निकटता बढ़ेगी और आपसी समझ मजबूत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने की योजना बन सकती है। कोई पुराना आर्थिक मामला सुलझने से मन को राहत मिलेगी। व्यापारिक कारणों से बाहर जाने का अवसर मिल सकता है। संतान के साथ हल्की नोकझोंक संभव है, लेकिन प्रेम और संवाद से सब सामान्य हो जाएगा।

मीन

आज आपके मन में नए विचारों और नई योजनाओं की लहर उठ सकती है। कुछ अलग करने की इच्छा आपको प्रेरित करेगी, लेकिन नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी, भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से थोड़ी कम लगे। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचना बेहतर रहेगा। आपकी सकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टि अंततः लाभ दिलाएगी। यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है।

Aaj Ka Love Rashifal

मीन और मेष राशि वालों के लिए प्रेम जीवन में बन रहे हैं शुभ योग पढ़ें दैनिक लव राशिफल

Love Horoscope 23 June 2026: 23 जून का लव राशिफल जानें। मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए प्रेम, रिश्तों, वैवाहिक जीवन और रोमांस से जुड़े खास ज्योतिषीय संकेत पढ़ें। आज आपकी लव लाइफ कैसी रहेगी, जानिए विस्तार से।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope):

आज प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। पार्टनर के साथ भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा और एक-दूसरे के साथ यादगार समय बिताने का अवसर मिल सकता है। विवाहित जातकों के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी। सिंगल लोग किसी खास व्यक्ति की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

वृषभ लव राशिफल (Taurus Love Horoscope):

आज पार्टनर किसी बाहरी व्यक्ति की बातों में आकर आप पर शक कर सकता है, जिससे रिश्ते में दूरी जैसी स्थिति बन सकती है। सिंगल लोग अपने क्रश को पाने के लिए काफी प्रयास करेंगे और दिल से मेहनत करेंगे

मिथुन लव राशिफल (Gemini Love Horoscope):

आज प्यार और रोमांस का माहौल बना रहेगा। पार्टनर के साथ खुलकर बातचीत करने से रिश्ते और मजबूत होंगे। विवाहित लोगों को जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। सिंगल जातक अपने मन की बात किसी खास व्यक्ति तक पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

कर्क लव राशिफल (Cancer Love Horoscope):

आज अपने स्वभाव और व्यक्तित्व को लेकर आत्मविश्वास बनाए रखें। प्रेम संबंधों में ईमानदारी और सच्चाई आपके लिए लाभकारी रहेगी। पार्टनर का सहयोग आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। सिंगल लोगों के लिए नए परिचय के अवसर बन सकते हैं।

सिंह लव राशिफल (Leo Love Horoscope):

आज साथी को आपकी समझ और सहयोग की जरूरत पड़ सकती है। उनके मन की बात सुनना और भावनाओं को समझना रिश्ते को मजबूत बनाएगा। प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सिंगल जातकों के लिए नई शुरुआत के संकेत हैं।

कन्या लव राशिफल (Virgo Love Horoscope):

आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिल सकता है। जो लोग विवाह योग्य हैं, उन्हें अच्छे प्रस्ताव मिलने की संभावना है। रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा।

तुला लव राशिफल (Libra Love Horoscope):

आज प्रेम जीवन में उत्साह और खुशी बनी रहेगी। पार्टनर के साथ कहीं घूमने या समय बिताने की योजना बन सकती है। कोई सरप्राइज या उपहार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से बातचीत बढ़ सकती है।

वृश्चिक लव राशिफल (Scorpio Love Horoscope):

आज रिश्तों में धैर्य और समझदारी बनाए रखने की जरूरत है। साथी का मूड थोड़ा बदलता हुआ नजर आ सकता है। किसी भी बात को बढ़ाने के बजाय शांति से हल निकालने का प्रयास करें। शाम तक परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी।

धनु लव राशिफल (Sagittarius Love Horoscope):

आज प्रेम जीवन में खुशियों के रंग घुल सकते हैं। पार्टनर के साथ बिताया गया समय यादगार रहेगा। रिश्ते में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा। सिंगल लोग अपने पसंदीदा व्यक्ति के बारे में ज्यादा सोच सकते हैं।

मकर लव राशिफल (Capricorn Love Horoscope):

आज आपका व्यक्तित्व और व्यवहार लोगों को आकर्षित करेगा। पार्टनर पर अच्छा प्रभाव डालने में सफल रहेंगे। रिश्ते में सम्मान और समझ बढ़ेगी। सिंगल लोगों को कोई दिलचस्प प्रस्ताव मिल सकता है।

कुंभ लव राशिफल (Aquarius Love Horoscope):

आज प्रेम जीवन में रोमांटिक माहौल बना रहेगा। पार्टनर के साथ मनोरंजन और घूमने-फिरने की योजना बन सकती है। विवाहित जातकों को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। सिंगल लोग अपने क्रश के करीब आने की कोशिश कर सकते हैं।

मीन लव राशिफल (Pisces Love Horoscope):

आज रिलेशनशिप में भविष्य को लेकर गंभीर बातचीत हो सकती है। शादीशुदा जीवन में नई ऊर्जा आएगी। सिंगल लोगों की जिंदगी में कोई नया व्यक्ति एंट्री कर सकता है।

County Championship

मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप में बिखेरा जलवा पहली बार एक पारी में झटके पांच विकेट

भारत के उभरते हुए स्पिनर मानव सुथार ने इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन किया। वारविकशायर के लिए खेलते हुए सुथार ने समरसेट के खिलाफ दूसरी पारी में पांच विकेट झटके और काउंटी में पहली बार फाइव विकेट हॉल पूरा किया। भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए स्पिनर मानव सुथार ने इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में अपनी फिरकी का दम दिखाया। सुथार ने वारविकशायर के लिए खेलते हुए पहली बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया समरसेट के खिलाफ चल रहे इस मुकाबले में सुथार ने मैच में कुल सात विकेट चटकाए। वारविकशायरके लिए केवल दो मैच खेलने के अनुबंध पर आए सुथार ने समरसेट की दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 46.5 ओवरों में 100 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए। वहीं, पहली पारी में उन्होंने 18 ओवरों में 50 रन देकर दो विकेट लिए थे। यह सुथार का दूसरा काउंटी मैच है। इससे पहले यॉर्कशायर के खिलाफ अपने काउंटी डेब्यू मैच में उन्होंने दोनों पारी मिलाकर कुल चार विकेट झटके थे।

महिला क्रिकेट को बढ़ावा: ICC की पोस्ट-प्रेग्नेंसी पॉलिसी लॉन्च खिलाड़ियों को मिलेगा 16 हफ्ते का सपोर्ट प्लान

आईसीसी ने महिला क्रिकेटरों के लिए 'रिटर्न टू प्ले पोस्ट-प्रेग्नेंसी गाइडलाइंस' जारी की हैं, जिसके तहत मां बनने के बाद खिलाड़ियों की क्रिकेट में सुरक्षित वापसी के लिए 16 सप्ताह का विशेष कार्यक्रम लागू किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेटरों की गर्भावस्था के बाद सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से क्रिकेट में वापसी सुनिश्चित करने के लिए नई रिटर्न टू प्ले पोस्ट-प्रेग्नेंसी गाइडलाइंस जारी की हैं। इन दिशा-निर्देशों के तहत खिलाड़ियों की वापसी के लिए 16 सप्ताह का विशेष कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसकी निगरानी एक नियुक्त केस मैनेजर करेगा। आईसीसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि नई गाइडलाइंस का उद्देश्य खिलाड़ियों को मां बनने के बाद शारीरिक और मानसिक रूपसे फिट बनाते हुए दोबारा प्रतिस्पर्धी मदद करना

आईसीसी ने इस प्रक्रिया को छह चरणों में विभाजित किया है, जिसे 'सिक्स आर फ्रेमवर्क' नाम दिया गया है। इसमें रेडी (तैयारी), रिव्यू (समीक्षा), रीस्टोर (पुनर्स्थापना), रीकंडीशन (दोबारा फिटनेस निर्माण), रिटर्न (वापसी) और रीफाइन (निरंतर सुधार) शामिल हैं। इस दौरान खिलाड़ी की शारीरिक, मानसिक और चिकित्सा संबंधी स्थिति का नियमित मूल्यांकन किया जाएगा। संबंधी फिटनेस गतिविधियों में शामिल किया जाएगा।

IPL: ऋषभ पंत ने अपनी मर्जी से नहीं छोड़ी लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी टीम प्रबंधन के दबाव का किया जा रहा दावा

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन अब इसे लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ने फैसला अपनी मर्जी से नहीं लिया था। आईपीएल 2026 का सीजन खत्म होने से पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। लखनऊ के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही थी। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि 10 टीमों की इस प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहने के बाद स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। अब इस बारे में बड़ा दावा किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुता बिक, पंत ने अपनी मर्जी से कप्तानी नहीं छोड़ी थी। पंत ने जब कप्तानी छोड़ी थी तो लखनऊ फ्रेंचाइजी की तरफ से बयान सामने आया था। इस बयान के अनुसार, पंत ने अपनी मर्जी से ऐसा किया।

लेकिन अब रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 28 वर्षीय ऋषभ पंत ने खुद स्वेच्छा से कप्तानी नहीं छोड़ी थी, बल्कि लखनऊ मैनेजमेंट ने उन्हें पद से हटाया है। इस फैसले से आहत होकर पंत ने फ्रेंचाइजी छोड़ने का मन बना लिया, क्योंकि उन्हें वहां कमतर आंका जा रहा था। \इस बीच कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि ऋषभ पंत अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट सकते हैं। इसके लिए एक ट्रेड डील पर बात चल रही है, जिसके तहत दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ का हिस्सा बन सकते हैं। खबरों की मानें तो पंत दिल्ली में दोबारा शामिल होने के लिए अपनी सैलरी में कटौती कराने को भी तैयार हैं, जिसके साथ उन्होंने पहले आठ सीजन बिताए हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आईपीएल मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम देकर खरीदा था, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। हालांकि, यह महंगी साझेदारी सिर्फ दो सीजन में ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। पंत का सफर हालांकि, लखनऊ में उतार-चढ़ाव भरा और चुनौतीपूर्ण रहा।

Sanju Samson: सैमसन ने धोनी को बताया क्रिकेट का फेडरर कोहली की तुलना इस स्टार स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी से की

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की तुलना टेनिस दिग्गजों से की है। विंबलडन से पहले सैमसन ने क्रिकेट और टेनिस खिलाड़ियों के बीच समानता बताई है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने क्रिकेट और टेनिस के बीच समानताएं बताई हैं। इसी कड़ी में उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तुलना टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर से की है। इतना ही नहीं सैमसन ने विराट कोहली के आक्रामक अंदाज को स्पेन के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज जैसा बताया है। दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस बीच सैमसन ने टेनिस और क्रिकेट दिग्गजों के बीच आपस में तुलना की है। सैमसन ने जियो स्टार से कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर तो निश्चित रूप से धोनी हैं। वह अपने काम को लेकर बेहद शांत और संयमित रहते हैं। जब वह प्रदर्शन करते हैं, तो वह बहुत सहज लेकिन बेहद असरदार दिखता है। विराट कोहली की तुलना अल्कारेज से करते हुए उन्होंने कहादूसरी तरफ, कार्लोस अल्कारेज बहुत आक्रामक हैं। ठीक वैसे ही जैसे विराट भाई ने शुरुआत की थी। शायद विराट कोहली की तुलना अल्कारेज से की जा सकती है। वह बेहद आक्रामक और ताकत से भरपूर हैं।

सैमसन ने कहा, हम सभी फाइनल मैच देख रहे थे। मेरा परिवार और बाकी सभी लोग टीवी से चिपके हुए थे। देश में हम सभी के लिए यह बेहद खास पल था, जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। महिला टीम ने स्तर को काफी ऊंचा कर दिया था, जिससे पुरुष टीम को भी भारत में ऐसा करने का भरोसा मिला। दोनों विश्व कप का भारत में होना और दोनों में जीत दर्ज करना एक गर्व का क्षण था।

वैभव सूर्यवंशी: बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस' जमकर गरजता है बल्ला

वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बड़े मंच और दबाव वाले मुकाबले उनके खेल को और निखार देते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में 29 गेंदों पर 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर 15 वर्षीय बल्लेबाज ने आलोचकों को जवाब दिया। अंडर-19 विश्व कप फाइनल, आईपीएल 2026 और अब इस फाइनल में उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वैभव उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो रहे हैं जो बड़े मौकों पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हैं। क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है। हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

Rohit Sharma: क्या हिटमैन हैं भारत के नंबर-1 ओपनर? सचिन गावस्कर के बाद अब सहवाग को भी इस मामले में छोड़ा पीछे

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में 79 रन की शानदार पारी खेलकर रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा 39 वर्ष 51 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। भारत ने इस मुकाबले में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। भारत के दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा 39 साल की उम्र में भी बड़े बड़े रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में भारतीय कप्तान ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। 79 रन की शानदार पारी खेलते हुए उन्होंने न सिर्फ भारत को आसान जीत दिलाई, बल्कि भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। हिटमैन ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने 219 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया और भारत ने 28.4 ओवर में ही मैच जीतकर अफगानिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया

रोहित के साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर मैच को एकतरफा बना दिया। यशस्वी का यह शतक बताता है कि भारतीय बल्लेबाजी की अगली पीढ़ी भी बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। इस उपलब्धि के साथ रोहित ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान ओपनरों, सहवाग, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने 5 विकेट लेकर मेहमान टीम को शुरुआती झटके दिए

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300